हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 2 मई 2025

12 देश के विकास में योगदान के लिए श्रमिक वर्ग के योगदान को...

12 सुंदर नगर में रिहायशी क्षेत्र में चल रही ऑटो एजेंसी...

खबर संक्षेप

मारपीट के आरोपी को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। भूना पुलिस ने ढाणी गोपाल में पुलिस टीम के साथ हाथापाई करने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान कुलदीप पुत्र रामजी लाल निवासी ढाणी गोपाल के रूप में हुई है। भूना थाना प्रभारी इंस्पैक्टर सुरेन्द्रा ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 10 जनवरी को भूना थाने के ईएसआई रणधीर सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया था।

सड़क हादसे का आरोपी कार चालक गिरफ्तार

फतेहाबाद। भूना पुलिस ने सडक़ हादसे में मां-बेटा के घायल होने के मामले में कार्रवाई करते हुए कार चालक को काबू कर शामिल तफ्तीश किया है। पकड़े गए युवक की पहचान सुखविन्द्र सिंह पुत्र करनैल सिंह निवासी बुर्ज के रूप में हुई है। थाना भूना प्रभारी इंस्पैक्टर सुरेन्द्रा ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 13 अप्रैल को नया गांव निवासी सविता की शिकायत पर केस दर्ज किया था।

गांजा सप्लायर जयपुर से गिरफ्तार

फतेहाबाद। एसपी सिद्धांत जैन द्वारा नशा तस्करों के साथ सप्लायरों की धरपकड़ को लेकर कड़े निर्देश दिए गए है। इसके तहत फतेहाबाद पुलिस ने भारी मात्रा में गांजा सहित कार सवार दो युवकों को गिरफ्तार करने के मामले में आगामी कार्रवाई करते हुए राजस्थान के जयपुर से गांजा सप्लायर को भी काबू कर लिया है। पकड़े गए युवक की पहचान रिशी कपूर उर्फ राहुल पुत्र विद्या राम निवासी विकास नगर, मुरलीपुरा, जयपुर के रूप में हुई है।

घर में सेंध लगाकर दो लाख की नगदी चोरी

सिरसा। जिला के गांव खारिया में चोरों ने एक बंद मकान में घुसकर 2 लाख रुपए की नकदी चोरी कर ली। पुलिस को दी शिकायत में मकान मालिक रामधन ने बताया कि वह बीती 30 अप्रेल की दोपहर को अपने दादा को दवा दिलवाने के लिए सिरसा आया था। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने दीवार फांदकर घर में घुसकर अलमारी में रखी 2 लाख रुपए की नगदी चोरी कर ली।

लापरवाही से एक्सीडेंट जांच में पोस्त बरामद

सिरसा। राज सिंह ने पुलिस शिकायत में बताया कि 30 अप्रैल की रात्रि करीब 8 बजे वह जंटा सिंह पुत्र साफू सिंह निवासी बप्पां के साथ अपने खेत से गांव की ओर जा रहे थे। रास्ते में बग्गी सिंह पुत्र जरनैल सिंह निवासी बप्पां मिल गया। जिस पर वे सडक़ किनारे बातचीत करने लगे। तभी पीछे से एक बाइक सवार आया और उसने तेज रफ्तार से टक्कर मार दी। युवक मौके पर अपना बाइक छोडक़र फरार हो गया। बाइक के हैंडिल पर एक कपड़े में मोमी पन्नी में 147 ग्राम डोडापोस्त मिला।

नोहरे से मशीन और सामान गायब

सिरसा। जिला के गांव मतुवाला में चोर एक व्यक्ति के घर के साथ बने नोहरे से तूड़ी बनाने वाली मशीन सहित हजारों रुपए का सामान चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में विजय कुमार ने बताया कि बीती 29 अप्रेल की सुबह उसने अपने नोहरे में अपनी तूड़ी बनाने वाली मशीन खड़ी की थी। वह मशीन खड़ी कर काम से चला गया। इसी का फायदा उठाकर चोर दिन दहाड़े उसके नोहरे से मशीन के साथ-साथ 15 फिंगर बैरिंग, एक जाल, एक शाप्ट दो इंची, ग्रीसगैन, 8 डिब्बी ब्लैड व टूलकिट भी चोरी कर ले गए। शाम को जब वह नोहरे में आया तो मशीन व सामान गायब मिला। उसने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की।

शहर में पेयजल सप्लाई टैंक की क्षमता 24 दिन, शेष बचा 9 दिन का पानी

पानी कटौती के चलते फतेहाबाद के गांवों में भयावह हालात, 700 से 1,000 रुपये तक बिक रहा टैंकर

पानी की कमी के चलते जिले की 5 लाख एकड़ भूमि में सिंचाई के लिए खतरा मंडरा रहा, किसान उतरे सड़कों पर

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। गांव के जलघर की टंकी में बचा नाममात्र पानी व गांव झलनियां जलघर में सूखी पानी की टंकी। *फोटो: हरिभूमि*

भाखड़ा डैम में जलस्तर में कमी के चलते दो महीनों से चल रही नहरबंदी का असर अब धरातल पर दिखने लगा है। शहर में पेयजल टेंक की क्षमता 24 दिन की है। अब इसमें मात्र 9 दिन का पानी शेष बचा है। यानि कि 9 दिन तक नहर से टेंक में पानी नहीं आया तो फतेहाबाद में पानी की सप्लाई नहीं हो पाएगी। यही हालात अब जिले के दो दर्जन गांवों में बने हुए हैं। पानी की किल्लत के फतेहाबाद के गांव झलनियां, एमपी रोही, काजलहेड़ी, धांगड़, खजूरी, भोडा होशनाक, बनगांव जैसे गांवों के जलघर सूख चुके हैं। यहां पर लोग 700 से 1000 रुपये तक प्रति टेंकर पानी खरीदकर अपनी प्यास बुझा रहे हैं। बता दें कि भाखड़ा डैम में जलस्तर में कमी आई तो 30 मार्च को नहरबंदी कर दी गई। पहले नहरें 16 दिन चलती थी और 16 दिन बंद रहती थी। इसके बाद नहर में पानी 16 दिन बंद रहा और 8 दिन चला। इसके अतिरिक्त मुरम्मत के चलते भी फतेहाबाद ब्रांच नहर बंद रही। हालांकि 21 व 26 अप्रैल को पेयजल के लिए जहां जरूरत हुई, वहां पानी छोड़ा गया लेकिन इन दिनों गर्मी में पानी की डिमांड बढ़ गई है लेकिन पानी की सप्लाई पर्याप्त नहीं है। पानी की कमी के चलते जिले की 5 लाख एकड़ भूमि में सिंचाई के लिए खतरा मंडरा गया है और किसान सडक़ों पर उतरने लगे है। फतेहाबाद के करीब 24 जलघरों में टैंक खाली हो चुके हैं। कइयों में एक से दो फुट पानी ही बचा है, जो एक-दो दिन मुश्किल से चलेगा। यह पानी भी इसलिए छोड़ा गया था कि मछलियां जलघर में प्राण न त्याग दें। भोडा होशनाक नहर बंद पड़ी है। बड़ोपल नहर में 3 से 4 फुट पानी ही चल रहा है। जहां के जलघर खाली हो चुके हैं, नहर के आस-पास बसे उन गांवों में नहर में पंप लगाकर पानी पहुंचाया जा रहा है। जगह-जगह पानी के टैंकर पहुंच रहे हैं। वहीं शहर की बात करें तो जलघर में करीब 9 दिन का पानी बाकी है। ऐसे में शहरवासियों ने संभलकर पानी का प्रयोग न किया तो हालात बिगड़ सकते हैं। शहर के हंस कॉलोनी और स्वामी नगर में भी पानी की दिक्कत है।

लोग टैंकरों से पानी लेने को मजबूर

फतेहाबाद के पास झलनियां, एमपी रोही, काजलहेड़ी, धांगड़, खजूरी, भोडा होशनाक, बनगांव जैसे गांवों के जलघर सूख चुके हैं। पंचायत और ग्रामीण पानी के लिए खेतों की ओर दौड़ रहे हैं। कई जगह लोग टैंकरों से पानी लेने को मजबूर हैं। भट्टू के ठुईयां, खाबड़ाकलां, जांडवाला, रामसरा, दैय्यड़ सहित अनेक गांवों में भी यही हाल है। इन गांवों में पानी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है।

नरमा की बिजाई हो रही प्रभावित

पानी किल्लत के कारण जिले की 5 लाख एकड़ कृषि योग्य भूमि पर सिंचाई का संकट गहरा गया है। हालांकि गेहूं कटाई के बाद धान लगाने में समय शेष है। अनेक किसानों ने नरमा, ज्वार इत्यादि की बिजाई शुरू की हुई है। बिजाई के लिए इस समय किसानों को पानी की जरूरत है। धान के लिए किसान धान की पनीरी भी समय से पहले लगाते हैं या साठी फसल के रूप में तीसरी फसल का फायदा उठाते हैं, जिसका पानी की कमी के कारण किसानों को नुकसान हो रहा है।

रतिया में 40 कनेक्शन काटे

नहरबंदी के कारण पानी की दिक्कत तो अवश्य है लेकिन सिंचाई विभाग, जनस्वास्थ्य विभाग व पंचायत विभाग आपसी सामंजस्य बिठाकर चलें तो इस समस्या से निपटा जा सकता है। जहां ट्यूब्वैलों में पानी साफ है, वहां जनस्वास्थ्य विभाग ट्यूब्वेलों का सहारा लेकर पानी जलघरों में डाल रहा है। लोग पानी की वेस्टेज ज्यादा कर रहे हैं। कल ही रतिया में 40 कनैक्शन काटे गए हैं जो पेयजल से बागवानी इत्यादि कर रहे थे। लोग सहयोग दें तो स्थिति सामान्य हो सकती है। जब तक भाखड़ा डैम में पानी का जलस्तर पूरा नहीं होता, तब तक यह समस्या बनी रहेगी।

-सतपाल रोज, एसडीओ, जनस्वास्थ्य विभाग फतेहाबाद

शेरपुरा में नहरी पानी को लेकर बैठक, जल संरक्षण पर दिया जोर

- ग्रामीणों से आग्रह, घरों में लीकेज की जांच करें और अनावश्यक बहते पानी को तुरंत रोकें

हरिभूमि न्यूज ⏭डिग

जिला के गांव शेरपुरा में नहरी पानी की आपूर्ति और जल संकट को लेकर पंचायत की बैठक हुई। बैठक में पेयजल की गंभीर कमी को देखते हुए ग्रामीणों को जल संरक्षण के सुझाव दिए गए और पानी के सदुपयोग पर जोर दिया गया। बैठक की अध्यक्षता सरपंच प्रतिनिधि मुकेश इंदलिया और जिला पार्षद राकेश सिंवर ने संयुक्त रूप से की। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान में पानी की किल्लत एक बड़ी समस्या बन गई है, ऐसे में नहरी पानी का उपयोग केवल आवश्यक कार्यों के लिए किया जाए। विशेष रूप से लोगों से अपील की गई कि वे पानी का इस्तेमाल केवल पीने, खाना बनाने और अन्य घरेलू जरूरतों तक सीमित रखें। मकान निर्माण, खेतों की सिंचाई या अन्य गैर-जरूरी कार्यों के लिए नहरी पानी का इस्तेमाल नहीं करने की सलाह दी गई।

पंचायत ने यह भी कहा कि जल संकट से निपटने के लिए हर ग्रामीण को अपनी भूमिका निभानी होगी। अगर पानी की बर्बादी नहीं रोकी गई तो आने वाले समय में हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। बैठक में ग्रामीणों से यह भी आग्रह किया गया कि वे घरों में लीकेज की जांच करें और अनावश्यक बहते पानी को तुरंत रोकें।

सभी ने बैठक के फैसलों का समर्थन किया और जल संरक्षण के प्रति अपनी जागरूकता दिखाने का संकल्प लिया।

ये रहे मौजूद:

इस अवसर पर दशरथ गोदारा, ओमप्रकाश गोयल, रामपाल जलंधरा, रोहतास कुमार, रणधीर, नरेश सहित कई अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत और श्रमिक जागरुकता शिविर का आयोजन

सिरसा। आगामी 10 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर आमजन को जागरूक करने न्यायालय परिसर एवं लघु सचिवालय में हेल्प डेस्क स्थापित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला ने बताया कि पैनल अधिवक्ता कुलदीप पूनिया और रवि कुमार ने लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में चेक बाउंस, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना, घरेलू विवाद, बिजली-पानी से संबंधित विवाद, दिवानी और फौजदारी मामले शामिल किए जाते हैं। लोक अदालत की प्रक्रिया सरल और संक्षिप्त है, जिसमें दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर बातचीत के माध्यम से समझौता करवाया जाता है, जिससे आपसी मनमुटाव समाप्त होता है। प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। श्रम विभाग द्वारा में विभिन्न राज्य एवं केंद्रीय योजनाओं के तहत श्रमिकों के पंजीकरण के लिए एक कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

फतेहाबाद। जिला महासचिव प्रमोद कौशिक को बधाई देते भारतीय आइस स्केटिंग संघ के महासचिव जगराज सिंह साहनी। *फोटो: हरिभूमि*

प्रमोद कौशिक फिर बने आइस स्केटिंग एसो. के जिला महासचिव

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

हरियाणा आईस स्केटिंग एसोसिएशन के जिला महासचिव प्रमोद कौशिक को एक बार फिर इसी महत्वपूर्ण पद की जिम्मेवारी सौंपी गई है। रोहतक में हुई हरियाणा आईस स्केटिंग एसोसिएशन की वार्षिक जनरल मीटिंग में प्रमोद कौशिक के नाम की घोषणा हुई। बता दें कि प्रमोद कौशिक के नेतृत्व में फतेहाबाद में आइस स्केटिंग खेल को लेकर युवाओं में काफी रूचि बढ़ी है और फतेहाबाद के खिलाडिय़ों ने आइस स्केटिंग में खेलों इंडिया में भी शानदार प्रदर्शन किया है। रोहतक में हुई एसोसिएशन की बैठक में प्रदेश में इस खेल को आगे बढ़ाने को लेकर चर्चा की गई। बैठक में बिजेन्द्र सिंह लौहान को प्रधान, दीपक कोहार को महासचिव और शमशेर सैनी को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा फतेहाबाद जिले की बागड़ोर फिर से प्रमोद कौशिक को महासचिव में रूप में दी गई है। भारतीय आइस स्केटिंग संघ के महासचिव जगराज सिंह साहनी ने प्रमोद कौशिक को बधाई देते हुए कहा कि उनकी मेहनत का ही परिणाम है कि आज फतेहाबाद जैसे क्षेत्र में आइस स्केटिंग को लेकर युवाओं में लोकप्रियता बढ़ी है।

पानी को लेकर त्राहि-त्राहि, लोग सड़कों पर

फतेहाबाद। पानी के संकट को लेकर डीसी कार्यालय पर रोष जताते किसान व पानी के संकट के समाधान की मांग को लेकर अधिकारी को ज्ञापन सौंपते किसान।

- पानी के संकट को लेकर किसानों ने डीसी कार्यालय पर जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

नहरों में पानी न आने से हो रही परेशानियों से खफा किसानों ने आज पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के आह्वान पर फतेहाबाद के डीसी कार्यालय पर रोष जताया। किसानों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर पानी के संकट को जल्द दूर करने की मांग की। प्रदर्शन में विशेष तौर पर किसान संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष मनदीप नथवान ने भाग लिया वहीं अध्यक्षता समिति के जिला प्रधान ओमप्रकाश हसंगा ने की। पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष मनदीप नथवान ने कहा कि नहरों में पानी न आने के कारण अनेक गांवों में वॉटर वक्र्स सूखे पड़े हैं। इस कारण गांवों में पीने की पानी का भीषण संकट खड़ा हो गया है। लोगों को दूर-दराज के ट्यूब्वैलों से पानी लाने को मजबूर होना पड़ रहा है। मनदीप ने कहा कि अब नरमा व ज्वार बिजाई का समय है लेकिन खेतों में किसानों को पानी न मिलने से किसान फसलों की बिजाई नहीं कर पा रहे हैं। नहर में पानी नहीं आएगा तो किसान आगामी फसल की बिजाई कैसे कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि गांवों से लेकर शहरों तक में पानी की कमी से आम जन त्राहि-त्राहि कर रहा है।

बीमा के नाम पर कंपनियां मचा रही लूट

मनदीप नथवान ने कहा कि जिले में फसल बीमा के नाम पर कम्पनियों ने लूट मचा रखी है। भट्टू क्षेत्र के किसानों को बीमा कंपनियां द्वारा क्लेम नहीं दिया जा रहा। कम्पनियां किसानों से पैसे तो काट लेती है लेकिन जब क्लेम देने की बारी आती है तो अपने हाथ खड़े कर देती है, जिसे किसान संघर्ष समिति किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगी। मनदीप ने कहा कि पानी और अन्य मांगों को लेकर 2 मई को हिसार में भी प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर सुखदीप रंधावा, मलकीत उप्पल, सुरजीत उप्पल, लवी बाठ, अमन बाठ, भूपिंदर रंधावा, गुरप्रीत सिंह, कमल बरार, महेंद्र मोची, सतीश बेनीवाल, राम मेहर, परमजीत पिलछियां, सुखचैन सरपंच, कुमेर डूडी, बलवंत हसंगा, आत्माराम हसंगा सहित काफी किसान मौजूद रहे।

गांव खुइयां मलकाना में रात्रि ठहराव कार्यक्रम में 40 से ज्यादा शिकायतें प्राप्त

एडीसी व एसपी ने पैदल घूमकर जानी समस्याएं

- ग्रामीणों ने पेयजल की किल्लत, नहरी पानी की कमी, गली में लगे बिजली के पोल, स्टेडियम को जाने वाले कच्चे रास्ते, पानी की निकासी आदि समस्याएं रखी

हरिभूमि न्यूज ⏭डबवाली

जिला प्रशासन द्वारा गांव की समस्याओं के समाधान के लिए शुरू किए गए रात्रि ठहराव कार्यक्रम में आम जन की समस्या का समाधान मंच से नहीं बल्कि गांव देहात की गली मोहल्ले में पहुंच कर अधिकारियों द्वारा किया गया। बुधवार को जिले के गांव खुइयां मलकाना में रात्रि ठहराव में जन समस्याएं सुनने के लिए अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन तथा डबवाली एसपी निकिता खट्टर व एसडीएम अर्पित संगल अधिकारियों के साथ पहुंचे। यहां ग्रामीणों ने पेयजल की किल्लत, नहरी पानी की कमी, गली में लगे बिजली के पोल, स्टेडियम को जाने वाले कच्चे रास्ते, पानी की निकासी, स्कूल के साथ लगती सडक़ के निर्माण जैसी कई समस्याएं रखी। अधिकारियों ने शिकायतें केवल कागज पर नहीं छोड़ी बल्कि समाधान के लिए गलियों की ओर रुख करते हुए पैदल ही चल पड़े, जिसे देखकर ग्रामीण भी अधिकारियों के मुरीद हुए और उन्हें लगा कि इस बार अधिकारी ग्रामीणों के बीच बैठकर जन समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। इस रात्रि ठहराव में ग्रामीणों की ओर से 40 से अधिक समस्याएं व शिकायतें रखी गई।

सिरसा। गलियों का निरीक्षण करते एडीसी व एसपी। *फोटो: हरिभूमि*

एडीसी बोले: मौके पर देखेंगे समस्याएं

सरपंच व ग्रामीणों की ओर से एडीसी लक्षित सरीन, एसपी निकिता खट्टर व एसडीएम अर्पित संगल के समक्ष गलियों, ट्रांसफर व पोल से सम्बंधित कई समस्याएं रखी गईं। एडीसी ने कहा कि जो समस्याएं हैं, उनका समाधान होगा। प्रशासनिक अधिकारी मौके पर जाकर निरीक्षण करेंगे ताकि स्थाई समाधान किया जाए। समस्याएं सुनने के दौरान ही एडीसी व अन्य अधिकारी ग्रामीणों के साथ ही मौके का निरीक्षण करने पैदल ही निकल पड़े। गलियों में घुमकर पूरे गांव की समस्याएं जानी। इसके बाद खुले दरबार में आकर इन सभी समस्याओं पर चर्चा करते हुए अधिकारियों को जल्द समाधान के निर्देश दिए। इस मौके पर डीएसपी संदीप कुमार, डीएफएससी मुकेश कुमार, कृषि उपनिदेशक डा. सुखदेव सिंह, डीडीपीओ बलजीत सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी सत्यवान ढिलोड़, जिला कल्याण अधिकारी राकेश कुमार, रोडवेज टीएम सुधीर कुमार, जनस्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता विजय कुमार, बीआरसी सरला देवी, लेखाकार मक्खन सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

600 से अधिक ग्रामीणों ने योजनाओं की ली जानकारी

रात्रि ठहराव से पहले यहां विभिन्न विभागों की स्टॉलें लगाए गई। इन स्टॉलों पर विभागों से संबंधित योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। प्रत्येक स्टॉल पर जिम्मेवार अधिकारी की ड्यूटियां निर्धारित की गई थी। योजनाओं का लाभ देने के लिए मौके पर ही आवेदन लिए गए। इस दौरान वन विभाग, परिवार पहचान पत्र, जिला कल्याण विभाग, जिला समाज कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, पशुपालन, स्वास्थ्य, श्रम विभाग, खाद्य एवं आपूर्ति, मनरेगा, जन स्वास्थ्य, बिजली निगम, कृषि विभाग, पुलिस विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग व अन्य विभागों ने स्टॉल के माध्यम से योजनाओं की जानकारी दी। लगभग 600 ग्रामीणों ने स्टॉल पर जहां योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

सतीदादी मंदिर में श्रद्धालुओं ने धोक लगाई व मांगी मन्नत

चोपटा। गांव कुम्हारिया के सती दादी मंदिर में बैशाख सुदी चतुर्थी के पर वीरवार को श्रद्धालुओं ने सती दादी की प्रतिमा की पूजा अर्चना कर प्रसाद चढ़ाया व मन्नत मांगी। मंदिर परिसर में आयोजित मेले में लोगों ने जमकर खरीददारी भी की। हरियाणा-राजस्थान सीमा स्थित गांव कुम्हारिया में सती दादी मंदिर में हर माह शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को मेला लगता है। जिसमें हरियाणा तथा निकटवर्ती राजस्थान के गावों के सतीदादी के भक्त सती दादी की धोक लगाने के लिए काफी संख्या में आते हैं। इनमें महिलाओं की संख्या अधिक होती है। मन्नत पूरी होने पर श्रद्धालुओं द्वारा प्रसाद चढ़ाया जाता है। सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी लंबी कतारें लग गई, पैदल, ऊंट गाड़ियों, टैक्टरों, जीपों, बाइकों व अन्य वाहनों में सवार होकर श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला पूरे दिन जारी रहा। मंदिर में प्रसाद के रूप में दूध, घी, पतासे, नमक, झाड़ू चुनरी व चूंडियां आदि चढाए। मंदिर परिसर में लगी स्टालों पर महिलाओं ने मनिहारी का सामान व बर्तनों कि खरीददारी की तथा बच्चों ने खिलौने खरीदे। मेले में पेयजल, सफाई आदि की व्यवस्था ग्राम पंचायत और श्री महारानी सेवा समिति कुम्हारिया द्वारा की गई।

बच्चो, जब भी मौका मिलता है, हम इंसान एक-दूसरे को अपनी बातों या हरकतों से हंसते-हंसाते हैं। यही काम मूर्तियां करें तो तुम चौंकोगे। कनाडा के वैंकूवर शहर में लाफ्टर स्टेच्यूज 'ए-मेज-इंग-लाफ्टर' नाम से मशहूर कांस्य की बनी अद्भुत मूर्तियां जो भी देखता है, हंसे बिना नहीं रहता। आओ जानते हैं, इन हंसाने वाली मूर्तियों के बारे में।

हंसती-हंसाती स्टेच्यूज!

अमेजिंग
रजनी अरोड़ा

बच्चो, अगर कोई कहे कि खड़ी हुई स्टेच्यूज हंसाती हैं तो तुम यह बात आसानी से मानोगे नहीं, लेकिन यह सच है। कनाडा के वैंकूवर शहर में इंग्लिश बे बीच (समुद्र किनारे) स्थित मॉर्टन पार्क में मौजूद ब्रॉन्ज (कांस्य) से बनी विशालकाय अमेजिंग लाफ्टर स्टेच्यूज 'ए-मेज-इंग-लाफ्टर' को देखते ही अनायास हंसी आ जाती है।

आर्टिस्ट ने अपने चेहरे जैसी बनाई हैं स्टेच्यूज

'ए-मेज-इंग लाफ्टर' मूर्तियों के इस समूह को चीन के मशहूर मूर्तिकार यू मिनजुन ने 2009 में तैयार किया था। इन मूर्तियों की सबसे खास बात यह है कि मिनजुन ने इन मूर्तियों के चेहरे को अपने चेहरे जैसा बनाया है। उन्होंने कुल 14 मूर्तियां बनाई हैं, जो कांस्य की हैं। हर मूर्ति अलग-अलग पोज में हंसती दिखती है। सबके चेहरे, आंखें, भौंहें, दांत, बाल सब कुछ बहुत बारीकी से उकेरे गए हैं। इन्हें देखकर लोग बस देखते ही रह जाते हैं।

भूल-भुलैया जैसा मजा

'ए-मेज-इंग लाफ्टर' मूर्तियों का यह समूह बहुत ही अमेजिंग तो है ही, साथ ही यह भूल-भुलैया खेल जैसा भी है। प्रत्येक मूर्ति की ऊंचाई लगभग 3 मीटर और वजन लगभग 250 किलोग्राम है। आर्टिस्ट ने इन कांस्य मूर्तियों को सर्कल में किसी भूल-भूलैया की तरह अरेंज किया है। इन मूर्तियों को इस तरह से रखा गया है कि इनका चेहरा बाहर की तरफ दिखता है। इन्हें देखकर ऐसा लगता है, जैसे ये मूर्तियां यहां आने वाले पर्यटकों को अपने आपको देखने के लिए इनवाइट कर रही हों। मूर्तियों के इर्द-गिर्द कोई दीवार नहीं है, इसलिए यहां आने वाले पर्यटक हर एंगल से मूर्तियों के साथ जुड़ जाते हैं। बच्चो, जब तुम यहां रखी एक मूर्ति से दूसरी मूर्ति के बीच से गुजरोगे तो तुम्हें लगेगा, जैसे तुम किसी भूल-भुलैया से गुजर रहे हो। इस दौरान अजीबो-गरीब पोज में हंसती हुई ये मूर्तियां हंसाती हैं।

लाफ्टर स्टेच्यूज के अलग-अलग पोज

'ए-मेज-इंग लाफ्टर' की अलग-अलग पोज की बात करें, तो यहां चौदह अलग-अलग पोज में लाफिंग स्टेच्यूज बनाई गई हैं-

- दोनों हाथ सिर के ऊपर रखे, आंखें भींचकर जोर से हंसते हुए।
- घुटनों पर हाथ टिकाकर, आगे झुक कर हंसते हुए।
- एक हाथ मुंह पर, दूसरा हाथ ऊपर उठा हुआ।
- दोनों हाथ कमर पर, सीना चौड़ा कर जोरदार ठहाका लगाते हुए।
- दोनों हाथ गालों पर रखकर हंसते हुए।
- पीछे की ओर झुके हुए, सिर पूरी तरह ऊपर।
- एक हाथ से पेट पकड़ कर हंसते हुए।
- दोनों हाथ फैलाए हुए, जैसे दुनिया को गले लगाते हुए।
- सिर थोड़ा झुकाकर, आंखें टेढ़ी कर हंसते हुए।

- कान पकड़कर हंसते हुए।
- हल्का झुक कर जमीन की ओर देखते हुए।
- हाथों को हवा में घुमाकर हंसते हुए।
- पूरा मुंह खोलकर, आंखें बंद कर भरे गले से हंसते हुए।
- दोनों भौंहें ऊपर उठाकर, होंठों को सटाकर हंसते हुए।

रंग बदलती दिखती हैं ये लाफिंग स्टेच्यूज

कांस्य से बनी इन मूर्तियों का रंग वैसे तो सुनहरा-भूरा है। लेकिन दिन के अलग-अलग समय में अलग-अलग एंगल से जब सूरज की रोशनी इन मूर्तियों पर पड़ती है तो इन मूर्तियों का रंग बदलता हुआ सा प्रतीत होता है। रात के समय जब इन मूर्तियों पर स्ट्रीट लाइट्स की रोशनी पड़ती है, तो इन मूर्तियों की चमक बहुत ही शानदार दिखती है। शाम को इंग्लिश बे पर समुद्र की लहरों की हल्की आवाज और इन हंसते चेहरों वाली मूर्तियों के बीच टाइम स्पेंड करना एक अलग ही फील देता है।

मूर्तियों का संदेश-हंसना जरूरी है

'ए-मेज-इंग-लाफ्टर' के मूर्तिकार यू मिनजुन का कहना है कि हंसी वह पल है, जब हम सब कुछ भुलाकर सिर्फ हंसना चाहते हैं। ये मूर्तियां हमें याद दिलाती हैं कि खुशी सिर्फ एक सतही भावना नहीं है, वह हमारी गहरी बेचैनियों को ढंकने का माध्यम भी बन सकती है। सार्वजनिक स्थलों पर ऐसी कलाकृतियां, जो हंसी और खुशी का माहौल बनाती हैं, वे लोगों के तनाव को कम करने में मदद करती हैं। इंग्लिश बे पर बने ये लाफिंग स्टेच्यूज लोगों के बीच एक आंतरिक खुशी का माहौल बनाते हैं, जिससे पर्यटक और स्थानीय लोग दोनों ही जुड़ाव महसूस करते हैं। कांस्य की ये मूर्तियां, मानो हमें सदा हंसने-मुस्कुराने का संदेश देती हैं। *

अनोखे व्यक्तित्व / शिखर चंद जैन

बच्चो, हंसी-मजाक आज से नहीं तब से होता आ रहा है, जब राजा-महाराजा हुआ करते थे। उनके दरबार में कुछ ऐसे लोग भी रखे जाते थे, जो हंसी-ठिठोली करें, माहौल खुशगवार बनाएं। जानो, ऐसे ही कुछ मशहूर हस्तियों के बारे में।

मशहूर-ऐतिहासिक हंसी के सरताज

बादशाह अकबर के नौ रत्नों में से एक बीरबल

मुगल बादशाह अकबर के दरबार के नौ रत्नों में से एक थे बीरबल। उनका वास्तविक नाम था महेश दास। बीरबल बहुत बुद्धिमान थे, हाजिर जवाब थे। बड़ी से बड़ी समस्याओं का हल वे हंसते-हंसाते निकाल लेते थे। बादशाह अकबर अकसर मनोरंजन के लिए बीरबल से हंसी-मजाक किया करते थे। लेकिन बीरबल बुरा मानने के बजाय कुछ ऐसा बोलते या कोई ऐसी हरकत करते कि उल्टे बादशाह अकबर का ही मजाक बन जाता था। अकबर भी इस बात का मजा लेते। दोनों के मजेदार किस्से आज भी लोगों का मनोरंजन तो करते ही हैं, साथ-साथ ज्ञान भी बढ़ाते हैं। *

दक्षिण भारत के विनोदी विद्वान तेनालीराम

जिस तरह उत्तर भारत में बीरबल के किस्से प्रचलित हैं, वैसे ही दक्षिण भारत में तेनालीराम के किस्से लोग खूब चटखारे लेकर सुनते-सुनाते और पढ़ते हैं। तेनालीराम दक्षिण भारत में विजयनगर साम्राज्य के राजा कृष्णदेव राय के दरबार के प्रमुख विद्वानों में से एक थे। उनका जन्म कर्नाटक के गुंटूर जिले के एक छोटे से गांव में हुआ था। उनका पूरा नाम तेनाली रामकृष्ण था। तेनालीराम अपने विनोदी स्वभाव से महाराज कृष्णदेव राय को खूब हंसाते थे। साथ ही कोई विकट परिस्थिति आने पर महाराज को उससे उबरने का सरल रास्ता भी बताते थे। बुद्धिमान और विनोदी तेनालीराम दक्षिण भारत में इतने प्रसिद्ध हैं कि आंध्र प्रदेश में उनके नाम पर एक रेलवे स्टेशन 'तेनाली' जंक्शन भी मौजूद है। *

बंगाल के लोकप्रिय व्यक्तित्व गोपाल भांड

बंगाल में गोपाल भांड के किस्सों की लोकप्रियता उतनी ही है, जो उत्तर भारत में बीरबल की और दक्षिण भारत के बच्चों में तेनालीराम की है। 18वीं सदी में पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में राजा कृष्णचंद्र रॉय का शासन हुआ करता था। उनके दरबार के नवरत्नों में से एक थे गोपाल भांड। वह अपनी चतुराई और हाजिर जवाबी के बूते पर न सिर्फ महाराज का बल्कि दरबारियों और प्रजा का भी दिल जीत लेते थे। गोपाल भांड कठिन से कठिन समस्या का हल चुटकी बजाते निकाल लेते थे। हंसी-मजाक से भरे उनके किस्से बंगाल की लोककथाओं में भी खूब पढ़े-सुने जाते हैं। *

जीके क्विज-152

1. हाल में ही किसे भारत के उच्चतम न्यायालय का 52वां मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है?
2. पिछले दिनों चर्चा में रहा महुआडानर वुल्फ सैंक्चुअरी किस राज्य में स्थित है?
3. भारत के वर्तमान शिक्षा मंत्री कौन हैं?
4. मैकमोहन रेखा किन दो देशों के बीच सीमा बनाती है?
5. 'मधुबनी' किस राज्य की लोक चित्रकला शैली है?
6. भारत के किस राज्य में जनसंख्या का घनत्व सर्वाधिक है?
7. रेडक्रॉस संस्था का मुख्यालय किस देश में स्थित है?
8. किस भारतीय ने 'वर्ल्ड लाफ्टर डे' की शुरुआत की?
9. सिख संप्रदाय में लंगर प्रथा किसने शुरू की थी?
10. ओडिशा की राजधानी कहां है?

बच्चो, जीके क्विज-152 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-151 का उत्तर : 1.वैभव सूर्यवंशी, 2.जे.डी. वेंस, 3.बिहार, 4.विटामिन ए, 5.लैक्टोमीटर, 6. 1 मई, 7. 23.5 डिग्री, 8.ओडिशा, 9.नाइट्रोजन, 10.ईटानगर

जीके क्विज-151 का सही उत्तर देने वाले: कबीर-हिसार, शंभु-बलौदा बाजार, प्रगति-ईमेल से, एकता-ईमेल से, रमेश-कोरबा, सौरभ-बिलासपुर, गुंजा-रायपुर, अमित-करनाल, सोनम-बालोद, ईशान-रायगढ़, हर्ष-रोहतक, दिव्या-बेमेतरा, कनिष्क-बिलासपुर, सौम्या-महासमुंद, अंकित-भोपाल

हंसगुल्ले

मम्मी (गुस्से में) : मिंटू, मैंने तुमसे कहा था कि जिस समय दूध उबले तो मुझे बता देना। देखो तो, सारा दूध गिर गया।
मिंटू : मम्मी, बता तो रहा हूं। जिस समय दूध उबला, तब 7 बजकर 10 मिनट हो रहे थे।

-संजय, रोहतक

चिंटू : दर्दनाक का क्या मतलब होता है?
मिंटू: जिसके नाक में दर्द हो, वह दर्दनाक होता है।

-अभिषेक, बेमेतरा

टीचर : रोहित, बताओ आई डोंट नो का क्या मतलब होता है?
रोहित (सिर खुजते हुए) : मैं नहीं जानता।
टीचर : बिल्कुल सही जवाब।

-सुमन, भोपाल

चिंकी : मुझे घर से स्कूल जाने में 90 मिनट लगते हैं, लेकिन स्कूल से घर आने में डेढ़ घंटे लग जाते हैं, बता ऐसा क्यों?
मिंकी (एक पल सोचने के बाद) : मुझे नहीं पता, तू ही बता दे।
चिंकी (हंसते हुए) : अरे बुद्धू, क्योंकि दोनों टाइम सेम हैं।

-कुणाल, महासमुंद

गोलू की तबियत ठीक नहीं थी, इसलिए वह दोस्तों के साथ खेलने के बजाय चुपचाप पार्क की बेंच पर बैठ गया। तभी वहां एक आदमी आकर उसके बगल में बैठ गया। उसने अपने आपको आम डॉक्टर बताया। गोलू के साथ उसने ऐसी मजेदार बातें कीं, वह अपनी बिगड़ी तबियत को भूलकर हंस पड़ा।

आम डॉक्टर

हास्य कथा
समीर गांगुली

पार्क की बेंच पर बैठ कर, बच्चों को खेलते देखते गोलू की बगल में एक आदमी आकर बैठ गया। थोड़ी देर बाद उसने पूछा, 'बेटा, तुम खेल क्यों नहीं रहे हो?'

गोलू बोला, 'मेरी तबियत थोड़ी खराब है।' इस पर वह आदमी बोला, 'तबियत या तो खराब होती है या नहीं होती। थोड़ी का क्या मतलब?'

गोलू फालतू फेंटते उस आदमी की तरफ देखते हुए बोला, 'आप डॉक्टर हैं क्या?' वह बोला, 'हां, मैं आम डॉक्टर हूं?' गोलू ने फिर पूछा, 'आम डॉक्टर माने जनरल डॉक्टर?'

वह बोला, 'नहीं आम डॉक्टर..! वैसे मैं आम इंजीनियर बनना चाहता था।'

गोलू बोला, 'मतलब आप आम का इलाज करते हैं?' वह आदमी बोला, 'हां, अगर कोई आम आता तो, लेकिन आज तक कोई भी आम मेरे पास नहीं आया। शायद उन्हें अभी तक इसकी खबर नहीं हुई है।' गोलू को उसकी अजीब बात पर यकीन नहीं हुआ, उसने फिर पूछा, 'मैंने तो आज तक नहीं सुना कि आम या अमरूद या सेब का कोई डॉक्टर भी होता है। ये तो फल हैं। इन्हें इलाज की क्या जरूरत?'

इस बात पर आम डॉक्टर चिढ़कर बोला, 'आम को डॉक्टर और इंजीनियर की ही नहीं, वकील की भी जरूरत होती है।' गोलू चकराया, 'मैंने तो यह सब नहीं सुना।' गोलू को परेशान देख आम डॉक्टर बोला, 'कैसे नहीं सुना? अभी तो कहा मैंने। बच्चे, आम की दुनिया के तीन उसूल होते हैं। ध्यान से सुनो। पहला-आम, आम नहीं होता। दूसरा-आम का आदमी, रास्ते और सभा से कोई रिश्ता नहीं होता। तीसरा-एक दिन आम राज आएगा।'

गोलू ने आगे पूछा, 'आम को क्या बीमारी हो सकती है?'

आम डॉक्टर बोला, 'वो तो आम की मर्जी पर है कि वो कौन-सी बीमारी को आने के लिए रास्ता देगा या नहीं देगा। हां, कभी-कभी दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। तीसरे तरह की।' गोलू फिर चकराया, 'तीसरे तरह की यानी पहले और दूसरे तरह की नहीं?' आम डॉक्टर आंखों को आधा बंद करते हुए बोला, 'यहां पहला उसूल लागू होता है यानी आम, आम नहीं होता है।' गोलू ने पूछा, 'आम आपके पास आया और आपने उसे खा लिया तो क्या होगा?' वह बोला, 'तो वह इसकी शिकायत कबूतर खाने में कर सकता है।' गोलू फिर हैरान, 'अरे, आप उसे खा लेंगे तो वह शिकायत कैसे करेगा?' वह आदमी बोला, 'खाने से पहले कर सकता है।' गोलू ने पूछा, 'उसे पता कैसे चलेगा?' 'क्या?'

'यही कि आप उसे खाने वाले हैं।'

'जब तक आम पिज्जा नहीं मिलता, मैं तो आम को मुंह भी नहीं लगाऊंगा।' 'आम पिज्जा कहां होता है?' 'आम पापड़ होता है?' 'हां, होता है मगर वो पापड़ नहीं होता।' 'तभी तो यहां पहला उसूल लागू होता है।' 'क्या?' 'आम, आम नहीं होता।' 'आपको आम डॉक्टर किसने बनाया?' 'तुमने!' 'मैंने कब बनाया?' 'तभी, जब कहा कि तुम्हारी तबियत खराब है। अब मैं तुम्हारा इलाज करूंगा।' 'कैसे?' 'एक आम तरीका है।' 'वो क्या?' 'आंखें बंद करो और तीन बार नाक दबा कर बोलो, 'आम ना करे काम, आम ना मांगे दाम, आम करे आराम।'

ये कुछ अटपटा था, मगर गोलू ने ऐसा ही किया और जब आंखें खोली तो बेंच खाली था। वह आदमी जा चुका था, फोकट की मस्ती देकर। गोलू अब अपनी तबियत थोड़ी ठीक महसूस कर रहा था। उसे मन ही मन उस आदमी पर हंसी आ रही थी। *

कविता
डॉ. वेद मित्र शुक्ल

पहाड़ और चुहिया

इक पहाड़ था गांव किनारे
उस पर कान धरे कोई जो,
सुनता आवाजें चूं-चूं की
ज्यों पहाड़ भीतर कोई हो।
अचरज होता कौन बला है
जो पहाड़ के अंदर रहता,
'इसका पता लगाना होगा'
जो भी सुनता था वह कहता।
आखिर इक दिन निश्चय करके
लगे खोदने वह पहाड़ सब,
एक बड़ा हिस्सा जब खोदा
निकली इक चुहिया बच्चो! तब।
बहुत परिश्रम किया सभी ने
पर, परिणाम मिला न बढ़िया,
मुखिया हंसा जोर से कहकर,
'परबत खोदा निकली चुहिया।'

रंग भरो-174

रंग भरो-174 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

आस्तिका, चांपा

हिमांक, दुर्ग

डिंपल, कवर्धा

भाविका, रायपुर

हिताक्षी, महेंद्रगढ़

अंकित, धमतरी

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

जसमायरा-भिलाई, कृतिका-बिलासपुर, नम्रता-बलौदा बाजार, पलका-धमतरी, प्रगति-बिलासपुर, रिद्धि-भिवानी, रितेश-मटियारी, रोशनी-दुर्ग, सानवी-अंबिकापुर, श्रेजल-कांकेर, श्वेता-रायपुर, वासनिक-रायपुर, वेदिका-रायपुर, तेजस-रायपुर

रंग भरो 175

बच्चो, यहां पर हंसते-मुस्कुराते दो बच्चों का एक ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो-संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

गिनकर बताओ

बच्चो, इस चित्र में स्माइली और लाफिंग इमोजी वाले रेड और यलो कलर के कुछ बैलूंस दिए गए हैं। तुम्हें गिनकर बताना है कि चित्र में कुल कितने रेड बैलूंस हैं और कितने यलो बैलूंस हैं?

उत्तर: यलो बैलूंस-19, रेड बैलूंस-20

खबर संक्षेप

युवक पर हमला करने के मामले में नाबालिग काबू

फतेहाबाद। रतिया पुलिस ने एक युवक पर हमला कर घायल करने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग को काबू कर शामिल तफ्तीश किया है। पकड़े गए नाबालिग युवक की पहचान रमन उर्फ पीके पुत्र अंग्रेज निवासी राम नगर कॉलोनी, रतिया के रूप में हुई है। थाना शहर रतिया प्रभारी एसआई रणजीत सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 5 जनवरी को वार्ड नं. 13, रतिया निवासी सतनाम सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार जब वह शाम को अपने दोस्त गौरव यादव के साथ बड़ी नहर, रतिया के पास एक रेहड़ी पर गोल गप्पे खा रहा था तो इसी दौरान एक स्कार्पियो गाड़ी में आए 4-5 युवकों ने उसे पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी।

केबल चोरी के मामले में दो नाबालिग काबू

फतेहाबाद। गांव कन्हड़ी के कई खेतों से केबल चोरी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर टोहाना पुलिस ने दो नाबालिग युवकों को काबू कर शामिल तफ्तीश किया है। पकड़े गए युवकों की पहचान विशाल उर्फ होडल पुत्र सनी निवासी राजनगर,टोहाना व सावन पुत्र सुखवीर निवासी वार्ड न 02, राजनगर, टोहाना के रूप में हुई है। आरोपियों को जमानत पर रिहा किया गया है। थाना शहर टोहाना प्रभारी इंस्पैक्टर प्रहलाद सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 12 फरवरी को गांव कन्हड़ी निवासी राजाराम आदि की शिकायत पर केस दर्ज किया था।

टोहाना से मोटरसाइकिल चोरी, कैमरे में कैद

फतेहाबाद। वाहन चोरों ने टोहाना शहर से 10 मिनट में ही एक मोटरसाइकिल चोरी कर लिया। चोरी की यह घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव कुदनी हैड निवासी हरप्रीत सिंह ने कहा है कि गत दिवस वह अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसी काम से टोहाना आया था। उसने अपने मोटरसाइकिल को चण्डीगढ़ रोड स्थित मेडिकल इनक्लेव में मेडिकल की दुकान के बाहर खड़ा किया और दुकान में चला गया। कुछ देर बाद जब वह वापस बाहर आया तो उसने देखा कि वहां से उसका मोटरसाइकिल गायब था।

नशा तस्कर जसबीर पर 50 हजार का इनाम

सिरसा। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो चंडीगढ़ जोनल यूनिट ने सिरसा क्षेत्र के एक नशा तस्कर पर 50 हजार का इनाम घोषित किया है। तस्कर वर्ष 2015 में दर्ज नशा तस्करी के एक मामले में अदालत से फरार चल रहा है। आरोपी की पहचान जसबीर सिंह उर्फ काला निवासी डबवाली, सिरसा के रूप में हुई है। ब्यूरो का कहना है कि इस संबंध में सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। साथ ही इनाम देने वाले का नाम भी गुप्त रखा जाएगा। एनसीबी को आरोपी की तलाश काफी समय से है। उसकी तलाश साल 2015 में जब्त किए गए 36.150 किलोग्राम अफीम के केस में है। पता चला है कि एनसीबी की टीमों व पुलिस ने कई बार आरोपी को पकडऩे के लिए दबिश दी, लेकिन वह उस समय अंडरग्राउंड चल रहा है।

मसीता हत्याकांड का वांछित हत्यारोपी इनामी घोषित

डबवाली। पुलिस ने हत्या व हत्या के प्रयास के मामलों में फरार चल रहे आरोपी कुलदीप उर्फ भाऊ पुत्र लखविंदर सिंह निवासी मसीतां पर 5,000 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। आरोपी कुलदीप उर्फ भाऊ द्वारा अन्य जघन्य अपराध करने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इनाम की राशि अपराधियों को गिरफ्तार करने और उनकी गिरफ्तारी में सहायता करने वालों को पुलिस विभाग द्वारा प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही अपराधियों की संपत्ति की भी सूची पुलिस तैयार कर रही है। इसके अलावा पुलिस इन अपराधियों की फरारी के दौरान इन्हें अपने ठिकानों पर शरण देने वालों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है।

एसपी ने लोगों से की सावधान रहने की अपील

शातिर साइबर ठगों से नहीं बच पा रहे पढ़े-लिखे सरकारी कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ⏭|फतेहाबाद

साइबर ठग इतने शातिर है कि उनके मायाजाल में पढ़े लिखे सरकारी कर्मचारी भी नहीं बच पा रहे। अब तो हालात यह हो गए हैं कि एक व्यक्ति की मौत के बाद साइबर ठगों ने उसके पुत्र को बीमा क्लेम दिलवाने के नाम पर हजारों रुपये ठग लिए। इतना ही नहीं, वीरवार को फतेहाबाद में साइबर ठगी की तीन एफआईआर दर्ज की गई। ऐसा नहीं है कि पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी हैं, पुलिस ने कड़ी जांच के बाद पंजाब से एक साइबर ठग को काबू भी किया है। उधर, एसपी सिद्धांत जैन ने लोगों को साइबर ठगों से सावधान रहने की अपील की है।

केस-1 अस्पताल कर्मचारी से बीमा क्लेम के नाम पर हजारों की ठगी

फतेहाबाद। पिता का बीमा क्लेम दिलवाने के नाम पर भट्टू के एक युवक से साइबर ठगों ने हजारों रुपये ऐंठ लिए। युवक को जब अपने साथ हुइ धोखाधड़ी का पता चला तो उसने 1930 पर शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में भट्टकलां पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में प्रतापं नगर, भट्टू मण्डी निवासी पंकज कुमार ने कहा है कि वह आदमपुर के एक अस्पताल में काम करता है। उसके पिता की अप्रैल 2024 में मृत्यु हा गई थी। उसके पिता के नाम से कुछ लोन चल रहे थे। उसके पिता का मनीपाल सिगमा कम्पनी से बीमा भी था। 30 मार्च 2025 को उसके पास फोन आया और फोन करने वाले ने अपना नाम पवन बताया। उसने बताया कि वह इंश्योरेंस कम्पनी में काम करता है और उसके पिता के नाम पर 4 लाख 22 हजार का क्लेम है। इसकी फाइल तैयार करवाने के लिए 5 हजार रुपये लगेंगे और उसे बीमा क्लेम की राशि मिल जाएगी। इसके बाद उसने उसके मोबाइल पर एक क्यूआर कोड भेजा। पंकज ने बताया कि इसके बाद उसने उक्त क्यूआर कोड पर 5 हजार रुपये भिजवा दिए। इसके बाद 13 अप्रैल को उसके पास फोन आया कि अस्पताल के दस्तावेजों की वेरिफिकेशन के लिए 4860 रुपये का चार्ज लगेगा। इस पर उसने यह राशि भी भेज दी। इसके बाद 16 अप्रैल को उसके पास फोन आया कि उसका एक फार्म भरा जाएगा और उसे करीब 3 लाख रुपये मिलेंगे। इसके फाइल चार्ज के 13700 रुपये अलग से देने होंगे।

केस-2 महिला हुई ठगी का शिकार, ज्यादा पैसे आने की बात कहकर 20 हजार ठगे

फतेहाबाद। टोहाना में एक महिला साइबर ठगों का शिकार हो गई। ज्यादा पैसे ट्रांसफर होने की बात कहकर ठगों ने महिला से 20 हजार रुपये ऐंठ लिए। इस बारे पीड़ित महिला की शिकायत पर टोहाना पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव भोड़ी निवासी महिला मनजीत कौर ने कहा है कि वह हाउस वाइफ है। जनवरी 2025 में उसके मोबाइल पर फोन आया। फोन करने वाले ने कहा कि उसने उसके पति को 5 हजार रुपये देने है। वह उसको पैमेंट भेज रहा है। इसके बाद उसने फोन कर कहा कि गलती से उसने 5 हजार की बजाय 50 हजार रुपये डाल दिए है। वह 45 हजार रुपये उसे वापस कर दे। इस पर जब उसने अपने मोबाइल को चैक किया तो उसमें 50 हजार रुपये आने का मैसेज आया हुआ था। उसके बाद उसने 20 हजार रुपये वापस बताए गए नंबर पर भेज दिए। इसके बाद उसने 25 हजार और भेजने को कहा तो उसने फोन काट दिया। महिला ने बताया कि इसके बाद जब उसने अपने पति को इस बारे बताया तो उसके पति ने कहा कि उसने किसी से पैसे नहीं लेने है। इस पर उसे अपने साथ हुए फ्रॉड का अहसास हुआ। जब उसने अपना अकाउंट चैक किया तो उसके खाते में कोई पैसे नहीं आए थे जबकि 20 हजार रुपये कट गए थे। इस पर उसने तुरंत इस बारे 1930 पर कॉल पर शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में सदर टोहाना पुलिस ने केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

केस-3 टोहाना नगरपरिषद का कर्मचारी हुआ ठगी का शिकार, हिसार में निकाले गए 10 हजार

फतेहाबाद। टोहाना में नगर परिषद के कंप्यूटर ऑपरेटर के साथ साइबर ठगी का मामला सामने आया है। घंटाघर चौक के रहने वाले सुरेंद्र के एटीएम से 10 हजार रुपए निकाल लिए गए। पुलिस शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। पुलिस को दी शिकायत में घंटाघर चौक टोहाना निवासी सुरेन्द्र ने कहा है कि वह नगरपरिषद टोहाना में कम्प्यूटर आपरेटर के पद पर कार्यरत है। 22 मार्च को अचानक उसके एचडीएफसी बैंक अकाउंट से 10 हजार रुपये कट गए। इसके बाद उसने बैंक जाकर पता किया तो उसे पता चला कि उसके अकाउंट से 10 हजार रुपये अज्ञात व्यक्ति ने हिसार के एटीएम से निकाले है जबकि बैंक का एटीएम कार्ड उसके पास ही है। इस पर उसने अपने साथ हुई धोखाधड़ी का पता चला और उसने इस बारे 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में अब थाना शहर टोहाना पुलिस ने केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

केस-4 1.80 लाख की ठगी से मामले में एक गिरफ्तार

फतेहाबाद। साइबर ठगों की धरपकड़ करते हुए साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक के बैंक खाते से 1 लाख 80 हजार रुपये निकालने के मामले में पंजाब के एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान योगेश कुमार उर्फ योगी पुत्र शिवदयाल निवासी फाजिल्का, पंजाब के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया है। साइबर थाना फतेहाबाद के प्रभारी इंस्पैक्टर सतीश ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 14 जनवरी को ठाकर बस्ती निवासी राजेन्द्र कुमार की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार उसका पंजाब नेशनल बैंक में खाता है। जब उसने अपने खाते के बैलेंस को चैक किया तो पाया कि उसके खाते से 16 दिसम्बर 2024 को 30 हजार व 50 हजार रुपये की राशि काटी गई थी। इसके बाद जब उसने अपने आईडीबीआई बैंक अकाउंट का बैलेंस चैक किया तो पाया कि 17 दिसम्बर 2024 को उसके खाते से 1 लाख रुपये निकाले गए है। युवक ने कहा कि उसके पास न तो किसी का फोन आया और न ही उसने कोई लिंक किसी के साथ सांझा किया। इसके बावजूद उसके दो बैंक खातों से अज्ञात ठगों ने धोखाधड़ी कर 1 लाख 80 हजार रुपये निकाल लिए है। इस पर उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने केस दर्ज किया और जांच अधिकारी ने आरोपी बारे अहम सुराग जुटाते हुए उसे घंटाघर चौक, फाजिल्का के पास से गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है।

सिरसा। जागरूकता सेमिनार को संबोधित करते डा. जयप्रकाश। फोटो : हरिभूमि

कैंसर से लड़ने के लिए अपनाएं स्वस्थ जीवनशैली: डॉ. जयप्रकाश

सिरसा। जेसीडी फार्मेसी कॉलेज में कैंसर विषय पर एक जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। डॉ. दीप्ति सिंह ने बताया कि ब्रेस्ट कैंसर के शुरुआती लक्षण की बात करें तो स्तन में एक गांठ, ब्रेस्ट के आकार में परिवर्तन, स्तन की त्वचा में गड्ढा या सिकुड़ना आदि होने की संभावना होती है। इनमें से कोई भी लक्षण दिखाई दे तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। उन्होंने कहा कि समय पहले पीरियड आने से भी इस बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा मोटापा, व्यायाम की कमी, अधिक शराब का सेवन और धूमपान जैसे लाइफस्टाइल के कारण भी महिलाओं में कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। आजकल के समय में महिलाओं में शराब पीने का चलन तेजी से बढ़ रहा है, जो स्तन कैंसर का प्रमुख जोखिम है। विद्यापीठ के महानिदेशक डॉ. जयप्रकाश ने कहा कि महिलाओं में इस कैंसर के बढ़ते मामले चिंतनीय हैं। नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के अनुसार, 2023 में 2 मिलियन लोगों में कैंसर का निदान किया गया था और लगभग 610,000 लोगों की कैंसर से मौत हो गई। उन्होंने कहा कि इस जानलेवा बीमारी से लडऩे के लिए हमें स्वस्थ जीवनशैली विकल्पों को अपना चाहिए। इनमें तंबाकू का प्रयोग न करने, पौष्टिक भोजन और सक्रिय जीवनशैली शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को कैंसर मिथकों को दूर करना चाहिए और कैंसर का पता लगाने, डायग्नोसिस और उपचार के लिए तेजी से कदम उठाने चाहिए।

एनआईटी की तर्ज पर विकसित होगा चौ. देवीलाल इंजीनियरिंग कॉलेज : प्रभजोत

- तकनीकी शिक्षा विभाग के महानिदेश क प्रभजोत सिंह ने संस्थान का दौरा

हरिभूमि न्यूज ⏭|सिरसा

सिरसा के पन्नीवाला मोटा स्थित चौ. देवीलाल इंजीनियरिंग कॉलेज को सरकार द्वारा एनआईटी की तर्ज पर हरियाणा प्रौद्योगिकी संस्थान (एचआईटी) के रूप में विकसित किया जाएगा। तकनीकी शिक्षा विभाग के महानिदेशक प्रभजोत सिंह ने वीरवार को संस्थान का दौरा कर यहां और अधिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने को लेकर अधिकारियों से चर्चा की महानिदेशक ने स्पष्ट किया कि यहां सभी ट्रेड को अतिआधुनिकरूप दिया जा रहा है और यहां सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। उच्च क्वालिटी के कंप्यूटर व दूसरे सभी उपकरण जल्द खरीदे जाएंगे। इससे पूर्व महानिदेशक प्रभजोत सिंह ने सिरसा स्थित राजकीय बहुतकनीकी संस्थान (ब्वायज व गल्र्स) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्थान के विभिन्न ब्लॉकों काा दौरा किया। उन्होंने वाटर कूलर का पानी स्वयं पीकर उसकी गुणवत्ता की जांच की और उसे संतोषजनक पाया। इसके बाद उन्होंने संस्थान के शौचालयों का भी निरीक्षण यिा। उन्होंने संस्थानों में साफ-सफाई को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एजुसैट रूम में उपस्थित छात्रों से बातचीत करते हुए उन्होंने हॉस्टल मेस में भोजन की गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली।

अब कुत्तों की मदद से नशा पकड़ेगी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭|भूना

नशा मुक्त बनाने के लिए पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तलाशी के लिए डॉग स्क्वाड टीम की मदद से अभियान चलाया। इस दौरान गांव एमपी सोतर के नशा तस्करों के घर-घर जाकर और दुकानों को चेक किया। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के निर्देशानुसार भूना पुलिस द्वारा भूना एरिया को नशा मुक्त बनाने के तहत यह कार्रवाई की गई।

भूना। गांव एमपी सोतर में डॉग स्क्वाड की मदद से नशा तस्करी में सम्मिलित घर की तलाशी लेते हुए।

अवैध मादक पदार्थों की तलाशी के लिए भूना थाना प्रभारी सुरेंद्रा की पुलिस टीम व डॉग स्क्वाड की टीम ने मादक पदार्थ सूंघने वाले कुत्तों की मदद से गांव एमपी सोतर में विशेष तलाशी अभियान चलाया गया। भूना पुलिस लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से नशा करने के दुष्प्रभाव, नशा करने के आदि लोगों के नशा मुक्ति, उनके पुनर्वास के संबंध में जागरूक करने के साथ-साथ मादक पदार्थों को रखने,बेचने व तस्करी करने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई के लिए प्रेरित किया।

एसपी ने पुलिस कर्मचारियों को जन्मदिन पर दी बधाई

फतेहाबाद। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन जिला पुलिस बल की ओर से आज 10 पुलिस कर्मियों को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। एसपी ने अपने कार्यालय में उपनिरीक्षक भागमल व उपनिरीक्षक अमीलाल को शुभकामना पत्र देकर सम्मानित किया। यह संदेश जिलेभर में तैनात अन्य पुलिस कर्मियों के लिए भी प्रेरणा है, जो अपने कर्तव्यों को समर्पण भाव से निभा रहे हैं। एसपी ने उपनिरीक्षक भागमल एसए थाना शहर फतेहाबाद, उपनिरीक्षक अमीलाल प्रभारी जिला मालखान फतेहाबाद, उपनिरीक्षक नरेश कुमार आर्थिक अपराध शाखा फतेहाबाद, ईएएसआई तिलक राज, ईएसआई दलीप सिंह तलफी मोहर्र फतेहाबाद, ईएसआई देवराज एसए रतिया, ईएएसआई माना राम, ईएचसी संजीत कुमार व महिला सिपाही शीला देवी को उनके जन्मदिन की बधाई दी।

फतेहाबाद। आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी

क्रेसण्ट स्कूल में श्रमिकों को समर्पित विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭|फतेहाबाद

क्रेसण्ट पब्लिक स्कूल में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में एक प्रेरणादायक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में श्रमिकों के प्रति सम्मान, आभार एवं जागरूकता की भावना विकसित करना था। प्री प्राइमरी विंग के नन्हे मुन्ने विद्यार्थियों ने नर्स, भोजन विक्रेता, मोची, शिक्षक एवं डाकिया जैसी भूमिकाएं निभाकर 'कम्युनिटी हेल्पर्स' की अहमियत को दर्शाया। नर्सरी से जूनियर केजी तक के विद्यार्थियों ने अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस से संबंधित समुदाय सेवकों के चित्रों में रंग भरने की रचनात्मक गतिविधि में भाग लिया। अवनीत, अक्षर तथा देवांशी के मंच संचालन में हार्दिक, युवान व आरव ने 'हाथों में लाठी है, मजबूत उसकी काठी है' के माध्यम से सुविचार प्रस्तुत किए। परी व कनिका ने मजदूर दिवस पर सारगर्भित सुव्याख्यान प्रस्तुत किए। शिद्धत ने 'काम कुछ भी करें, बस रहता चूर हूं, हां मैं मजदूर हूं' कविता का सस्वर वाचन किया। रोजल ने अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस से संबंधित सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी व रिशभ ने स्पेलिंग चेक के माध्यम से उपस्थित विद्यार्थियों के ज्ञान को परखा। सहज, युवराज, दीपिका एवं सहज मेहता ने गगनभेदी स्लोगंस के माध्यम से सभी को ऊर्जावान बना दिया।

संकल्प सभा मई दिवस पर संकल्प सभा आयोजित, 20 मई की राष्ट्रव्यापी हड़ताल होगी ऐतिहासिक

शहीदों के विचारों पर चलकर व एकता से ही अपने अधिकारों को बचा सकते हैं : रमेश

- सभा में अनेक जनसंगठनों के सदस्यों ने भी भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭|फतेहाबाद

मई दिवस के अवसर पर नगरपरिषद प्रांगण में संकल्प सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता नगरपालिका कर्मचारी संघ के राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश तुषामड़ ने की तथा संचालन सर्व कर्मचारी संघ के ब्लाक प्रधान राजपाल मिताथल ने किया। सभा में कर्मचारी, किसान, मजदूर संगठनों के सदस्यों के अलावा अनेक जनसंगठनों के सदस्यों ने भी भाग लिया। संकल्प सभा को संबोधित करते हुए रमेश तुषामड़ ने कहा कि मई दिवस की विरासत को बचाने के लिए व्यापक एकता का निर्माण की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एकता का निर्माण करते हुए अखिल भारतीय कर्मचारी महासंघ व ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर सभी विभागों के कर्मचारी व मजदूर वर्ग 20 मई की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में बढ़चढ़कर भाग लेगा।

फतेहाबाद। नगरपरिषद प्रांगण में मई दिवस पर आयोजित सभा को संबोधित करते रामकुमार बहबलपुरिया। फोटो : हरिभूमि

संकल्प सभा को संबोधित करते हुए खेत मजदूर यूनियन के महासचिव रामकुमार बहबलपुरिया ने मई दिवस के इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत में 8 घंटे के कार्य दिवस और अन्य कई मजदूर हितकारी कानूनों के लिए डॉ. बी.आर.अम्बेडकर को भी याद किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लड़ कर हासिल मजदूर अधिकारों का आज छीनने का दौर चल रहा है। 8 घंटे काम का अधिकार हो या यूनियन बनाने का अधिकार, सब धीरे-धीरे खत्म किये जा रहे हैं। जहां मजदूर इन अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं, वहां उन पर बर्बर दमन ढाया जा रहा है। मजदूर अधिकारों और श्रम कानूनों पर हमले के इस दौर में अथाह कुर्बानियों से हासिल इन अधिकारों को बचाने के लिए मजदूरों के एकताबद्ध संघर्ष ही एकमात्र रास्ता हैं। आज की सकंल्प सभा को सोनू रानी, भागी देवी सीआईटीयू, सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान भूप सिंह भड़ोलावाली, समाजसेवी विनोद कक्कड़, शम्मी रति, रिटायर्ड कर्मचारी संघ के प्रधान रामदास, सीटू नेता बेगराज, सकसं के जिला वरिष्ठ उपप्रधान विजय कुमार ढाका, देवीलाल एडवोकेट, नौजवान सभा के जिला सचिव शाहनवाज एडवोकेट, नगरपालिका महिला विंग की सदस्य शकुंतला, पार्षद मोहन लाल नारंग, नागरिक अधिकार मंच से राजीव सेतिया, डॉ. पृथ्वी सिंह बाना, ओमप्रकाश लोट, प्रेम कुमार बिजली विभाग, संजय कुमार बिजली विभाग शहरी प्रधान, जोगेंद्र सिंह भ्याना, अध्यापक संघ ब्लाक सचिव मास्टर मुरारी लाल, दलबीर आजाद, आल हरियाणा पावर कार्पोरेशन वर्कर यूनियन के सचिव रामनिवास शर्मा, हरिकिशन लाल कम्बोज सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

चौपटा अनाज मंडी में सीएम फ्लाइंग की रेड

सिरसा। नाथूसरी चौपटा की अनाज मंडी में वीरवार को सीएम फ्लाइंग द्वारा छापेमारी की गई। मंडी में जैसे ही सीएम फ्लाइंग की टीम पहुंची। आढ़तियों में हड़कंप मच गया। सीएम फ्लाइंग की टीम द्वारा मंडी में आई सरसों के स्टॉक का मिलान किया गया। इस दौरान टीम को 1100 क्विंटल सरसों अधिक मिली। इस पर सीएम फ्लाइंग की टीम ने 7 आढ़तियों पर एक लाख रुपये जुर्माना किया। अनाज मंडी में सीएम फ्लाइंग की टीम मार्केट कमेटी के सचिव विरेंद्र सिंह, वेयर हाउस के इंचार्ज भीमसेन, सब इंस्पेक्टर राजेश कुमार,एएसआई सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम पहुंची। टीम ने अनाज मंडी के अंदर आई सरसों की जांच पड़ताल शुरू कर दी। इस दौरान टीम ने सभी दुकानों के बाहर डाली गई सरसों का स्टॉक जांचा। इस दौरान सीएम फ्लाइंग की टीम को सरसों स्टॉक से अधिक मिली। इस पर टीम ने 7 आढ़तियों पर एक लाख रुपये जुर्माना लगाया।

जातीय जनगणना के निर्णय का किया स्वागत, कांग्रेस के संघर्ष की जीत बताया

फतेहाबाद। केंद्र सरकार ने अपनी कैबिनेट मीटिंग में देश में जो जातिगत जनगणना कराने का फैसला लिया है वह स्वागत योग्य है। कांग्रेस लंबे समय से देश में जातीय जनगणना की मांग करती रही है, जिसे आखिरकार मोदी सरकार को मानना पड़ा है। यह बात युवा कांग्रेस नेता मुकेश प्रजापति ने कही। उन्होंने कहा कि बीजेपी की नकारात्मक सोच ने देश में जातिगत जनगणना न कराकर अब तक अपना वर्चस्व कायम रखने का प्रयास किया था परंतु आज जातिगत जनगणना ही प्रत्येक जाति को अपनी-अपनी जनसंख्या के अनुपात में अपना अधिकार और हक दिलाएगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद में जातिगत जनगणना की मांग को जोरदार तरीके से उठाया था, कांग्रेस के घोषणा पत्र में भी यह शामिल था, जिसके चलते भाजपा सरकार मजबूरन यह फैसला लेने को बाध्य हुई है।

सोशल मीडिया पर हथियार लहराते हुए वीडियो डालने वाले 4 युवकों को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन द्वारा सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन करने वालों पर कार्रवाई के निर्देशों के बाद रतिया पुलिस ने 4 युवकों को गिरफ्तार किया है। इन युवकों ने सोशल मीडिया पर हथियार लहराते हुए वीडियो डाला था। पकड़े गए युवकों की पहचान रोहित राणा पुत्र रघुबीर सिंह निवासी भूंदड़ा, साहिल पुत्र राकेश निवासी नहर कालोनी रतिया, हरमनप्रीत पुत्र चरणजीत सिंह निवासी दिगोह व राजन कुमार उर्फ सामा पुत्र रमेश कुमार निवासी खोड़ा के रूप में हुई है। थाना सदर रतिया प्रभारी एसआई राजबीर सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 29 अप्रैल को 6 युवकों पर केस दर्ज किया था।

अधिकतर जलघर सूखे, लोग टैंकर से पानी लाने को मजबूर, 600 से 800 रुपये में मिल रहा टैंकर : सैलजा

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि सिरसा जिला में गहरा रहे पेयजल संकट को गंभीरता से लेते हुए इस ओर जल्द से जल्द कदम उठाया जाए क्योंकि जिला में अधिकतर जलघरों की डिग्गियां सूखी पड़ी है और फिलहाल नहरों में जो पानी छोडा था वह टेल तक पहुंचा ही नहीं है। हालात ये है कि लोग 600 से 800 रुपये प्रति टैंकर पानी खरीदकर गुजारा कर रहे हैं। नहरों को तब तक पानी छोडा जाए जब तक गांव की जलघर की डिग्गी पानी से न भर जाए, साथ ही किसानों के लिए भी सिंचाई पानी की प्रबंध किया जाए। कुमारी सैलजा ने जारी बयान में कहा है कि मौजूदा समय में सिरसा जिला भीषण गर्मी की चपेट में है, ऐसे में पेयजल संकट के चलते लोगों का जीना दूभर हो गया है, लोग पानी के टैंकर खरीद कर गुजारा कर रहे है, अधिकतर जगह भूमिगत जल पीने योग्य नहीं है।

राजकीय कॉलेज में दाखिला प्रक्रिया की तैयारी अंतिम चरण में, बीए में 160 सीटें और बीकॉम में 80 सीटें

फतेहाबाद। जिला मुख्यालय पर स्थित राजकीय महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए दाखिला प्रक्रिया की तैयारी अंतिम चरण में है। दो साल पहले शुरू हुए इस को-एड कॉलेज में बीए में 160 सीटें और बीकॉम में 80 सीटें उच्चतर शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रदान की गई थी। यह फतेहाबाद शहर का एकमात्र राजकीय महाविद्यालय है जिसमें लडके व लड़कियां दोनों दाखिला ले सकते हैं। प्राचार्य डॉ. जयभगवान यादव ने बताया कि महाविद्यालय प्रशासन दाखिला प्रक्रिया शुरू करने के लिए पूर्ण रूप से तैयार है। उन्होंने बताया कि बीए में नौ विषय हिंदी, अंग्रेजी, गणित, इकोनॉमिक्स, कंप्यूटर साइंस, जियोग्राफी आदि शामिल है, वहीं बीए की तरह बीकॉम में भी नई शिक्षा नीति के तहत दाखिले किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि संस्थान विद्यार्थियों को एक सकारात्मक एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण प्रदान करता है, जिससे वे अपने सर्वांगीण विकास की दिशा में अग्रसर हो सकें। उन्होंने कहा कि पहले की तरह इस बार भी दाखिला प्रक्रिया ऑनलाइन ही रहेगी।

सीआरएम स्कीम के तहत व्यक्तिगत श्रेणी के विभिन्न कृषि यंत्रों का भौतिक सत्यापन 6 व 7 मई को

फतेहाबाद। उपायुक्त मनदीप कौर ने जिला के किसानों को अवगत करवाते हुए बताया कि जिन किसानों ने फसल अवशेष प्रबंधन स्कीम वर्ष 2024-25 के दौरान राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के घटक सीआरएम स्कीम के तहत व्यक्तिगत श्रेणी के कृषि यंत्रों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सुबह 10 बजे से सायं 4.30 बजे तक 6 मई को स्ट्रा बेलर व हेरेक तथा 7 मई को सुपर सीडर का भौतिक सत्यापन विभागीय एप के द्वारा किया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि खंड टोहाना व जाखल के लिए अनाज मंडी धारसूल कलां, खंड रतिया व नागपुर के लिए अनाज मंडी रतिया तथा खंड फतेहाबाद, भट्टू कलां व भूना के लिए सिरसा रोड स्थित नई अनाज मंडी में कृषि यंत्रों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। यदि आवेदक अपने कृषि यंत्र स्ट्रा बेलर, हेरेक तथा सुपर सीडर का भौतिक सत्यापन निर्धारित तिथियों को करवाने में असफल रहता है तो उसका अनुदान के लिए आवेदन रद्द हो जाएगा।

अरूट जयंती को लेकर हुई बैठक

सिरसा। ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी के पदाधिकारियों व सदस्यों की मीटिंग मनोहर सचदेवा के प्रतिष्ठान पर हुई जिसमें आगामी 30 मई को अरूट महाराज की जयंती को धूमधाम से मनाने के लिए कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम को लेकर सभी सदस्यों से सुझाव भी मांगे गए, ताकि कार्यक्रम को बेहतर तरीके से आयोजित किया जा सके। सतीश अरोड़ा ने बताया कि कार्यक्रम के आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है। सभी पदाधिकारियों व सदस्यों को ड्यूटियां सौंप दी गई है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को पूर्व की भांति भव्य तरीके से आयोजित किया जाएगा। मीटिंग में सुखविंद्र दुग्गल, सुरजीत अरोड़ा, नरेश बजाज, आदित्य खट्टर, रांझा राम बाठला आदि मौजूद थे।

खबर संक्षेप

मलिकपुरा में सीएससी सेंटर पर हजारों की चोरी

सिरसा। ओढां पुलिस ने गांव मलिकपुरा निवासी लखविंद्र पुत्र गुरनेव सिंह की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ चोरी व सेंधमारी का मामला दर्ज किया है। अपनी शिकायत में लखविंद्र सिंह ने बताया कि वह गांव में सीएससी सेंटर का संचालन करता है। उसने अपने चाचा गुरसेवक पुत्र बलदेव सिंह के घर पर अपना सेंटर बनाया हुआ है।

चोरीशुदा मोटरसाइकिल सहित युवक गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले एक युवक को महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए गांव ढूडियांवाली क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है । इस संबंध में जानकारी देते हुए रानियां थाना प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान विकास उर्फ काला पुत्र रामचंद्र निवासी गांव बनवाला जिला सिरसा के रूप में हुई है।

मोबाइल व नकदी चोरी का आरोपी काबू

सिरसा। पुलिस ने एक घर से चोरी हुए दो मोबाइल फोन व तीन हजार रुपए की नकदी चोरी के आरोपी काबू किया है। शहर थाना प्रभारी संदीप सिंह ने बताया कि आरोपी की पहचान सूरज पुत्र काला राम निवासी लक्खी तलाब मोहल्ला सिरसा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि गुलचन सॉह निवासी शिवा राम चौधरी टोला जिला मुनगेर हाल तेग बहादुर नगर सिरसा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह मेहनत मजदूरी काम करता है। बीते दिन अपने कमरे को ताला लगाकर मजदूरी करने के लिए गया हुआ था।

कोर्ट परिसर में पार्किंग से मोटरसाइकिल चोरी

सिरसा। कोर्ट पार्किंग परिसर से अज्ञात व्यक्ति मोटरसाइकिल चोरी कर ले गया। पुलिस को दी शिकायत में कंगनपुर निवासी राजन सिंह ने बताया कि बीती 30 अप्रेल की दोपहर को वह कोर्ट परिसर में किसी काम से गया था। मोटरसाइकिल पार्किंग में खड़ी कर वह काम से चला गया। कुछ देर बाद आया तो बाइक गायब मिली। उसने अपने स्तर पर मोटरसाइकिल की काफी तलाश की, लेकिन बाइक का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उसने पुलिस को सूचित किया।

जिले भर में मनाया गया श्रमिक दिवस

देश के विकास में योगदान के लिए श्रमिक वर्ग के योगदान को सराहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर भूना में बिजली घर के पास स्थित चन्द्रशेखर आजाद भवन में कार्यक्रम का आयोनज किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीटू के जिला उपप्रधान धर्मपाल जांडली खुर्द व सत्यवान ने की। कार्यक्रम का संचालन सीटू जिला सचिव ओमप्रकाश अनेजा ने किया। सभा में किसान सभा के उप प्रधान एवं पूर्व जिला पार्षद रामस्वरूप ढाणी गोपाल, बलबीर गोरखपुरिया, मास्टर ओमप्रकाश, कृष्णा मेहरा, सतीश, हंसराज, सविता सहित अनेक जनसंगठनों के सदस्यों ने भाग लिया और मई दिवस के शहीदों को याद किया।

- विभिन्न संगठनों ने मई दिवस पर दिखाई एकजुटता

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीटू जिला सचिव ओमप्रकाश अनेजा ने कहा कि भारत व पूरी दुनिया में आज जितना विकास दिख रहा है, उसमें मजदूर वर्ग का भारी योगदान है। देश की आजादी के आंदोलन से पहले और बाद में आज तक लाखों मजदूरों ने बतौर मजदूरी करते हुए दुर्घटना के रूप में अपनी जान की कुर्बानियां दी है। निर्माण क्षेत्र से लेकर सरकारी, गैर सरकारी क्षेत्र में कम वेतन व कम सुविधा पाकर भी अपनी सेवाएं जारी रखे हुए हैं। दूसरी तरफ 11 वर्ष के भाजपा शासन के चलते देश व प्रदेश में ट्रेड यूनियन अधिकारों व श्रम कानूनों को छीन कर श्रमिकों को कंपनियों का गुलाम बना दिया गया है। ना तो यहां गुजारे लायक वेतन दिया जा रहा है, ना यहां पर किसी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा की गारंटी है, ना कोई दुर्घटना होने पर ईलाज व मुआवजे की सुविधा है। महंगाई भयंकर रूप धारण कर चुकी है, ऊपर से बेरोजगारी की मार, अच्छे पढ़े लिखे युवा साधारण मजदूरी करने पर मजबूर हैं। अग्नि वीर योजना के तहत युवाओं को 4 साल में भर्ती और रिटायरमेंट करके देश के युवाओं के साथ मजाक किया जा रहा है। ऐसे में मई दिवस का महत्व और ज्यादा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं को लेकर 20 मई को देशभर की ट्रेड यूनियनें हड़ताल करेंगी। फतेहाबाद में भी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यक्रम में सफाई कर्मचारी, मिड डे मील वर्कर,

भूना। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता।

भट्टकलां। सभा को संबोधित करते किसान सभा के जिला प्रधान विष्णुदत्त शर्मा।

मजदूर दिवस पर मौन रखकर पहलगाम शहीदों को दी श्रद्धांजलि

भट्टकलां। ताऊ देवीलाल टाउन पार्क में मजदूर दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुमन रानी ने की व संचालन किसान सभा के खण्ड सहसचिव सुभाष भादू ने किया। कार्यक्रम में सबसे पहले पहलगाम में आतंकियों द्वारा मारे गए नागरिकों के लिए 2 मिनट के मौन रखकर श्रद्धांजली दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य वक्ता पहुंचे किसान सभा के जिला प्रधान विष्णुदत्त शर्मा ने मेहनतकशों से एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार श्रम कानून को हटाकर चार संहिताएं लेकर आई है जोकि किसी भी मजदूर को स्वीकार नहीं हैं। हमें इस पूंजीपति सरकार को उखाडने के लिए एकजुट होना होगा। उन्होंने कहा कि सभी ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर 20 मई को राष्ट्रीय स्तर पर हड़ताल की जाएगी, जिसमें किसान, मजदूर भी बढ़चढ़ कर भाग लेंगे। अध्यापक संघ के जिला सचिव देसराज माचरा ने कहा कि आज ही के दिन 1886 में अमेरिका के शहर शिकागो में मजदूरों ने अपनी शहादत दी थी। कार्यक्रम में अध्यापक संघ की खंड उप प्रधान मुकेश रानी, मजदूर यूनियन से विजेंद्र, आशा वर्कर से राजबाला गोदारा, किसान सभा के तहसील प्रधान हनुमान बेनीवाल, पंकज, मांगेराम, भंवर सिंह, जयप्रकाश, जयवीर लॉयल व अन्य मजदूर और कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिरसा। श्रमिक दिवस पर अध्यापक स्कूल के सहायक कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए।

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में मनाया श्रमिक दिवस

सिरसा। पुलिस लाइन पर स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में वीरवार को बड़े हर्षोल्लास के साथ अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन शिक्षिका सुषमा रानी ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के विद्यार्थियों ने अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर हमारा सलाम आपको गीत से की। जिसमें उन्होंने बताया कि हमारे समाज में श्रमिकों का अतीव महत्वपूर्ण योगदान रहता है, वे अपने काम को पूजा मानते हैं। इसके पश्चात विद्यालय के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यालय के सभी सहायक कर्मचारियों के कार्यों को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंतिम सत्र में सम्मान के प्रतीक के रूप में विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक राजेश बिश्नोई ने सभी सहायक कर्मचारियों को विशेष उपहार भेंट कर उनका धन्यवाद किया। अध्यापिका सुषमा रानी ने कहा कि हमें श्रमिक वर्ग की कड़ी मेहनत और समर्पण का सम्मान करना चाहिए। अंत में उन्होंने विद्यार्थियों को श्रम की गरिमा को पहचानने के लिए प्रोत्साहित किया।

पायनियर कॉन्वेंट स्कूल में हुआ श्रमिक सम्मान दिवस का आयोजन

फतेहाबाद। पॉयनियर कॉन्वेंट स्कूल में श्रमिक दिवस के उपलक्ष्य में श्रमिक सम्मान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर, विद्यालय के श्रमिकों को सम्मानित किया गया और उनके संस्था में सहयोग को सराहा गया तथा स्कूल की और से जलपान करवाया गया। विद्यालय के प्रबंध निदेशक ने श्रमिकों को सम्मानित किया और उनके महत्व को छात्रों को समझाया कि किस प्रकार वे हमारी सहायता व देखभाल करते हैं। उन्होंने कहा कि श्रमिकों का योगदान विद्यालय के विकास में बहुत महत्वपूर्ण है और हमें उनके प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करना चाहिए और छात्रों को श्रमिकों के प्रति सम्मान और सहयोग की भावना विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने भी श्रमिकों के योगदान और जीवन में उनकी उपस्थिति पर आभार व्यक्त किया। प्रबंध निदेशक ने कहा कि हमें विश्वास है कि यह आयोजन श्रमिकों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

फतेहाबाद। आदर्श स्कूल दरियापुर में कर्मचारियों को सम्मानित करते स्कूल प्रबंधक।

आदर्श स्कूल में श्रमिक दिवस पर कर्मचारियों को किया सम्मानित

फतेहाबाद। गांव दरियापुर स्थित आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल में श्रमिक दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूल ने अपने कर्मचारियों, जैसे कि पिओन, हेल्पर, ड्राइवर और कंडक्टर को सम्मानित किया और उन्हें उपहार दिए। स्कूल के प्रिंसिपल ने कहा कि श्रमिक दिवस का आयोजन हमें अपने कर्मचारियों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है, जो स्कूल के दैनिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर स्कूल में एक विशेष सभा का आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों को सम्मानित किया गया और उन्हें उपहार दिए गए। छात्रों ने भी इस अवसर पर अपने शिक्षकों और कर्मचारियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। श्रमिक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करना था, और उन्हें उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रोत्साहित करना था।

शिकागो के शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

- सरकारी स्कूल बरसीन में विद्यार्थियों ने मजदूर दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

गांव बरसीन स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 1 मई मजदूर दिवस के अवसर पर शिकागो के शहीदों को याद करते हुए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों ने 1 मई, मजदूर दिवस के मौके पर कविता, गीत, भाषण, निबंध के माध्यम से दुनिया भर के मजदूरों के आंदोलन के इतिहास और संघर्ष को याद किया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 12वीं कक्षा के छात्र स्माइल ने बताया कि भारत में पहली बार मजदूर दिवस एक मई 1923 को चेन्नई में मजदूरों के महान नेता सिंगारवेलू चेट्टियार के नेतृत्व में शुरुआत की गई थी। स्माइल ने आगे बताया कि भगत सिंह ने मजदूर दिवस को केवल उत्सव नहीं माना बल्कि इसे मजदूर वर्ग की क्रांति और संघर्ष का दिन बताया था। छात्रा सुलोचना ने बताया कि शिकागो के मजदूरों ने 1886 में जो हड़ताल की उसके मुख्य मांग थी कि मजदूरों के काम के घंटे 8 निर्धारित हों और उन्हें एक सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार मिले। इससे पहले मजदूरों से 15-15 घंटे काम लिया जाता था। इस हड़ताल के दौरान हुई गोलाबारी में आठ मजदूरों ने अपने काम के 8 घंटे निर्धारित करवाने और अन्य मांगों को लेकर अपनी शहादत दी। इस अवसर पर मिड डे मील वर्कर्स और स्कूल में भवन निर्माण करने वाले मजदूरों को सम्मानित किया गया और सभी बच्चों के लिए दोपहर के भजन की विशेष व्यवस्था की गई। आज के कार्यक्रम में स्कूल के अध्यापक सूची, रितु बाला, परमिंदर, पंकज, संगीता, कृष्णा, सीमा, आशा रानी, योगेंद्र सिंह, राजवीर सिंह, राजेश, सुनील कुमार, शकुंतला, हरविंद्र सिंह सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

फतेहाबाद। बरसीन स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार।

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर श्रमिकों को किया जागरूक

सिरसा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में गांव बप्पां में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया गया। मुख्य वक्ता पैरा लीगल वॉलंटियर नरेश कुमार ग्रोवर ने आमंत्रित श्रमिकों को बताया कि मजदूर किसी भी देश की प्रगति की रीढ़ होते हैं, बिना मजदूरों के योगदान के कोई भी देश विकास के पथ पर आगे नहीं बढ़ सकता। ग्रोवर ने मजदूरों से आग्रह किया कि वे किसी भी ऐसे कार्य से बचें जो उनके जीवन और स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकता है। उन्होंने कहा कि एक जागरूक मजदूर ही अपने आत्मसम्मान को सुरक्षित रख सकता है और समाज में अपनी गरिमा बनाए रख सकता है। ग्रोवर ने बताया कि 1 मई 1886 को अमेरिका के शिकागो शहर में मजदूरों ने अपने अधिकारों के लिए ऐतिहासिक आंदोलन किया था, जिसके परिणामस्वरूप 8 घंटे के कार्य दिवस की मांग को मान्यता मिली। तभी से प्रत्येक वर्ष 1 मई को मजदूरों के सम्मान में यह दिवस मनाया जाता है। ग्रोवर ने मजदूरों को शपथ दिलाई कि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग रहेंगे, अपने कार्यस्थलों पर सुरक्षित माहौल की मांग करेंगे, और अपने आत्मसम्मान को सदैव ऊंचा बनाए रखेंगे।

सीजेएम ने कानूनी जागरूकता वाहन को झंडी देकर रवाना किया

फतेहाबाद। एडीआर सेंटर प्रांगण से कानूनी जागरूकता वाहन को झंडी दिखाकर रवाना करती सीजेएम गायत्री। फोटो : हरिभूमि

- जिले के दूर-दराज क्षेत्रों में गांवों में लोगों को कानूनी अधिकारियों के प्रति जागरूकत करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सौजन्य से ग्रामीण क्षेत्रों और दूरवर्ती क्षेत्र में लोगों को कानूनी पहलुओं की जानकारी देने के लिए एक विशेष कानूनी जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान को जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल के मार्गदर्शन में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव गायत्री ने जिला एडीआर सेंटर से वीरवार को जागरूकता वाहन को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर जिला बार एसोसिएशन के प्रधान दिनेश गैरा, डिप्टी लीगल एंड डिफेंस काउंसिल ईश्वर सिहाग, सचिव पुनीत भूटानी, पीयूष बत्रा, सुभाष चंद्र जांगू, श्वेता रानी एडवोकेट, मुकेश, मोहनलाल सहित व अन्य पैनल अधिवक्ता मौजूद रहे।

बार एसो. सदस्यों को इयूटी लगाई

सीजेएम गायत्री ने बताया कि 1 मई को गांव खारा खेड़ी में एडवोकेट कमलेश वशिष्ठ व पीएलवी महेंद्र सिंह, 2 मई को गांव अयाल्की में एडवोकेट शाहनवाज व पीएलवी राकेश, 3 मई को गांव ढिंगसरा में एडवोकेट श्वेता रानी व पीएलवी रोहतास, 5 मई को गांव गोरखपुर में एडवोकेट सुमन लता व पीएलवी सुनीता, 6 मई को गांव हिजरावा कलां में एडवोकेट सुभाष चंद्र जांगू व पीएलवी रेखा रानी, 7 मई को गांव महमडा में एडवोकेट अनिल कुमार व पीएलवी भीम सिंह सैखो, 8 मई को गांव अलीका में एडवोकेट रामचंद्र व पीएलवी सरोज रानी, 9 मई को गांव हड़ोली में एडवोकेट नरेश कुमार व पीएलवी मनदीप कौर, 13 मई को गांव जल्लोपुर में एडवोकेट दीपेंद्र सिंह व पीएलवी वीना रानी, 14 मई को गांव नंगल में एडवोकेट निशांत जिंदल व पीएलवी वीरपाल कौर, 15 मई को गांव कमाना में एडवोकेट गौरव बिश्नोई व पीएलवी पासों बाई ग्रामीणों को जागरूक करेंगे।

रानियां-मंगालिया रोड पर उड़ रही धूल

सिरसा। जिला के गांव खारियां से मंगालिया तक जाने वाली सडक़ का निर्माण कार्य कछुआ चाल से चलने के कारण राहगीरों और वाहन ड्राइवरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सडक़ पर उडऩे वाले मिट्टी के गुब्बारों के कारण दुर्घटना का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सडक़ पर बिछाई गई रेतीली मिट्टी राजस्थान जैसा माहौल पैदा कर रही है। तहसील रानियां को जोडऩे वाली इस महत्वपूर्ण सडक़ पर दर्जन भर गांवों के लोग रोजाना आवागमन करते हैं। राहगीरों और वाहन चालकों ने सडक़ निर्माण को शीघ्र पूरा करवाने की मांग की है। बताया जा रहा है कि रानियां से खारियां सडक़ का पुनर्निर्माण दिसंबर में शुरू किया गया था।

राज्यपाल से मिले भाजपा जिला अध्यक्ष शैक्षणिक संस्थान खोलने की मांग

- फतेहाबाद में कोई बड़ा शैक्षणिक एवं तकनीक संस्थान न होने कारण बच्चों को पढ़ने के लिए बाहर जाना पड़ रहा : प्रवीन जोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भारतीय जनता पार्टी फतेहाबाद के जिला अध्यक्ष प्रवीन जोड़ा ने हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से मुलाकात की और उन्हें फतेहाबाद जिले में कोई बड़ा शैक्षणिक एवं तकनीक संस्थान अथवा विश्वविद्यालय ना होने के बारे में अवगत करवाया।

जिला अध्यक्ष ने राज्यपाल को बताया कि फतेहाबाद जिले के विद्यार्थियों को अध्ययन हेतु बाहर जाना पड़ता है, जिसकी वजह से फतेहाबाद का युवा शिक्षा से वंचित रह जाता है।

उन्होंने राज्यपाल को बताया कि घग्गर नदी में प्रदूषण की वजह से जिले का रतिया क्षेत्र कई किस्म की गंभीर बीमारियों से जूझ रहा है। राज्यपाल ने आश्वासन दिया कि वो उच्च शिक्षा विभाग से रिपोर्ट मंगवाकर फतेहाबाद में विश्वविद्यालय बनवाए जाने की संभावनाओं को तलाशेंगे। राज्यपाल ने जिलाध्यक्ष द्वारा राजनैतिक मार्गदर्शन मांगने पर कहा कि जिलाध्यक्ष को सदैव संगठन की बेहतरी हेतु काम करना चाहिए, उसे सब को साथ लेकर चलते हुए एवं अपनी संपूर्ण क्षमता का उपयोग करके सभी कार्यकर्ताओं को बिना किसी व्यक्तिगत द्वेष अथवा भेदभाव के एक सूत्र में पिरोकर रखना चाहिए।

फतेहाबाद। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से मिलते बीजेपी जिलाध्यक्ष प्रवीन जोड़ा।

पुलिसकर्मी ने पेश की ईमानदारी की मिसाल, खोया फोन लौटाया

- सिपाही शमशेर सिंह को गश्त के दौरान सड़क पर मिला था फोन

फतेहाबाद। मालिक को उसका फोन लौटाते सपिाही शमशेर सिंह।

फतेहाबाद। थाना शहर टोहाना में सिपाही शमशेर सिंह ने ईमानदारी की मिसाल पेश करते हुए एक खोया हुआ मोबाइल फोन उसके असली मालिक को लौटा दिया। मिली जानकारी के अनुसार सिपाही शमशेर सिंह को गश्त के दौरान अम्बेडकर चौक टोहाना के समीप पड़ा एक मोबाइल फोन मिला। सिपाही शमशेर सिंह ने तत्परता और सजगता के साथ मोबाइल को थाने में जमा कर जांच शुरू की। तकनीकी सहायता व अन्य माध्यमों से मोबाइल के असली मालिक दलबीर सिंह पुत्र सुभा सिंह वासी दमकौरा का पता लगाकर उसे थाने बुलाया गया। मालिक ने मोबाइल मिलने पर गहरी संतुष्टि और धन्यवाद व्यक्त किया। इस घटना से पुलिस विभाग की ईमानदारी और जनता के प्रति सेवा भाव की भावना उजागर हुई है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन द्वारा पुलिस कर्मचारी के इस कार्य की सराहना की गई और इसे अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणा स्रोत बताया गया।

शिविर अतिरिक्त उपायुक्त ने नागरिकों की शिकायतें सुनकर समाधान के निर्देश दिए

सुंदर नगर में रिहायशी क्षेत्र में चल रही ऑटो एजेंसी लोगों ने समाधान शिविर में की बंद करवाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

लघु सचिवालय में वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में अतिरिक्त उपायुक्त अनुराग ढालिया ने नागरिकों की शिकायतें सुनी और उपस्थित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर शिकायतों के निपटान करने के निर्देश दिए।

समाधान शिविर में फतेहाबाद के सुंदर नगर निवासियों ने रिहायशी इलाके से ऑटो एजेंसी को बंद करवाने, गांव खनौरा निवासी अजय ने पीपीपी में आय ठीक करवाने, गांव महमडा निवासी बलदेव सिंह ने रजिस्ट्री पर रोक लगवाने, अग्रवाल कालोनी फतेहाबाद निवासी रीना रानी ने बुढ़ापा पेंशन बनवाने, डीसी कालोनी निवासी कुलवंत सिंह ने लडक़े का सरकारी स्कूल में दाखिला करवाने, भूना निवासी नरेश कुमार ने आपसी विवाद समाप्त करवाने, फतेहाबाद निवासी छबीला ने एक अन्य के खिलाफ कार्यवाही करने, गांव मताना निवासी दलीप ने बिजली की लाइन की मरम्मत, गांव ढिंगसरा निवासी कृष्ण कुमार ने जाति संशोधन, गांव खेड़ी निवासी कृष्ण मुरारी ने पुराने बस स्टैण्ड को लोकल बस स्टैंड बनवाने तथा बिल्डिंग की मुरम्मत की मांग रखी। इसके अलावा गांव खेड़ी निवासी कश्मीर कौर ने संबंधित व्यक्तियों पर कार्यवाही करने की मांग की।

फतेहाबाद। समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनते एडीसी ढालिया।

गुजारा भत्ता दिलवाने की मांग

इसी प्रकार से स्थानीय निवासी गुलशन कुमार ने खाने के लंबित बिलों के भुगतान करने, भूना निवासी बिमला ने गुजारा भत्ता दिलवाने, भट्टकलां निवासी राहुल कुमार ने स्वतंत्रता सेनानी के आश्रित होने का प्रमाण पत्र जारी करवाने। गांव गोरखपुर निवासी राजेन्द्र ने पैमाइश अनुसार कब्जा कार्यवाही करने, गांव मोचीवाली निवासी संतोष ने विधवा पेंशन बनवाने, गांव मेहुवाला निवासी सुखबीर ने गांव में सहकारी समिति का कार्यालय खुलवाने, गांव भट्टकलां निवासी राजेन्द्र प्रसाद ने रास्ता की सफाई करवाने, गांव भट्टकलां निवासी वीरेन्द्र सिंह ने एफआईआर की उच्च स्तरीय जांच करवाने, गांव बैजलपुर निवासी रितु ने दर्ज मुकदमा के तहत आरोपियों को हिरासत में लेने बारे अपनी शिकायत समाधान शिविर में रखी। इस मौके पर अधिकारी मौजूद रहे।